सिन्धु लिपि से ब्राह्मी लिपि का विकास

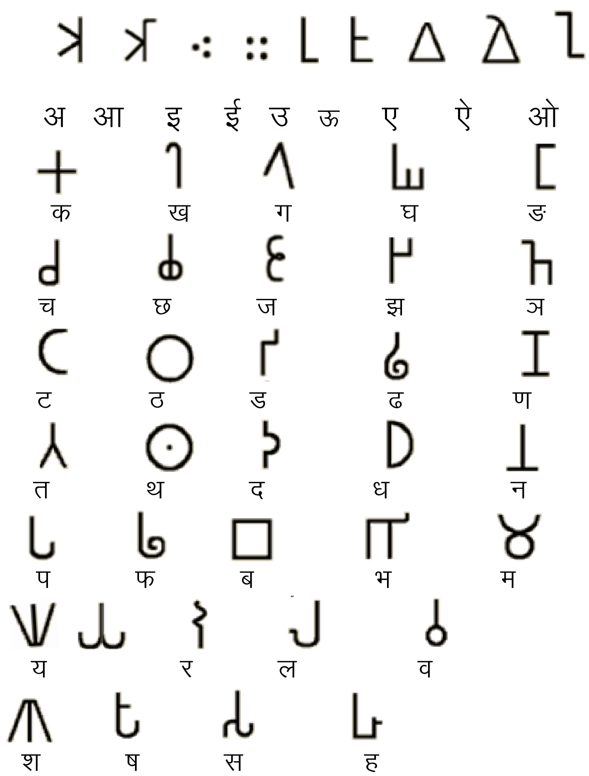
DECIPHERMENT OF INDUS SCRIPT:

Discovering the Indus Script by retracing Brahmi(Agricultural Seals)









डा0सोमेश चन्द्र श्रीवास्तव लखनऊ

मौलिक प्रकाशन
सी 1 – 302 आकाश एन्क्लेव
सेक्टर 1 ए वृन्दावन परियोजना लखनऊ
226014

मूल्य रु0.500

भाग 9 कृषि एवं घरेलू मुद्रायें

Volume 9 Agricultural and Household Seals

कृषि एवं घरेलू मुद्रायें
House Hold and Agricultural seals

1／35 

रधिती

इस मुद्रा में रज्जुः के चित्रलेख के बाद इ की स्वरलिपि के साथ धन्वः के चित्रलेख एवं अन्त में इ की मात्रा के साथ तुलाधरः से ती मिलकर रधिती शब्द का निर्माण करते हैं जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ होता है भोजन पकाना।

This seal contains rope sign hieroglyph for rajjuh followed by bow sign hieroglyph of dhanvah with vowel i ending with bearer sign hieroglyph for tuladhrah with vowel i forming word radhiti which in samskrita language means to cook.

2/88

चूरनकाः

(पिसान,सत्तू)

इस मुद्रा में एक खड़ी रेखा संख्या 1 के लिये उ की स्वरलिपि के साथ चन्द्रकः से चू रज्जु के लिये दो लहरदार रेखाओं से र निर्दातृं से न आ की स्वरलिपि के साथ कलेवरं से का अन्त में विसर्ग के लिये हंडिका मिलकर चूरनकाः शब्द का निर्माण करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ होता है पिसा हुआ अनाज।जो किसी व्यापारिक संस्थान की ओर इंगित करता है।

This seal reads as chandrakah followed by two vertical line depicting u followed by two wavy lines depicting rope sign rajjuh then rake sign nirdatram, human sign kalevaram with extra arms for vowel aa ending in jar sign handikah collectively pronounced

as churnakah meaning in samskrit as flours. Ground grains.

3 ⁄ 125



पिखनव

पिसान्न

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में इ क स्वरलिपि के साथ पर्ण के चित्रलेख से पि खरल के चित्रलेख से ख निबंधम् के चित्रलेख से न एवं व्यजः के चित्रलेख से व के संयुग्मन से पिखनव शब्द की उत्पत्ति होती है जो पिषनव अर्थात पिसान्न के सम्बन्ध में इंगित करता है।

This seal from Mohan Jo Daro depicts leaf sign with wovel i, followed by mortar and pestle sign, handcuff sign ending with fan sign forming word pikhnav also spelled as pishnav meaning for flour .

4/130 



सुमाषः

झूकर से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम् के चित्रलेख के बाद आ की मात्रा के साथ मीनम् तथा शंखम् के बाद हंडिका से मिलकर सुमाषः शब्द की उत्पत्ति होती है जो कि अच्छी उड़द का द्योतक है।

This seal from Jhukar depicts hieroglyph for sambadham(vulva) with vowel sign for u then fish sign with vowel aa for ma and conch sign

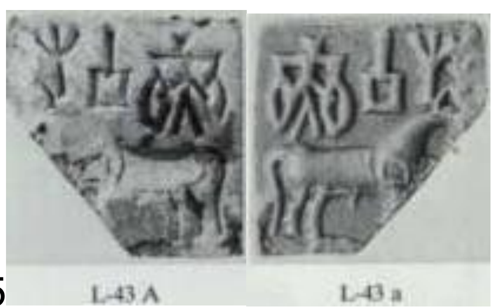
for sha ending with jar sign for handikah creating word sumashah which in samskrit means good pulse .

5 / 290 

सुमाषः अच्छी उड़द

लोथल से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम् आ की मात्रा कें साथ मीनम् ,शंखः अन्त में हंडिकाः से सुमाषः शब्द निर्मित करते हैं जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ अच्छी उड़द दाल है।

This seal from Lothal reads as vulva sign with vowel u,fish sign with vowel aa, conch sign ending with jar sign create word sumashah which means “good black gram ” in samskrita.

6 / 135 



यवति

लोथल से प्राप्त इस मुद्रा में यज्ञीय व्यजः एवं इ की मात्रा के साथ तुलाधरः से मिलकर यवति शब्द बनता है। जिसे अन्न उत्पादन के परिप्रेक्ष्य में प्रयुक्त किया जा सकता है।

This seal from Lothal reads as trident sign,fan sign ending in bearer sign with vowel i create word yavati which means grain produce.

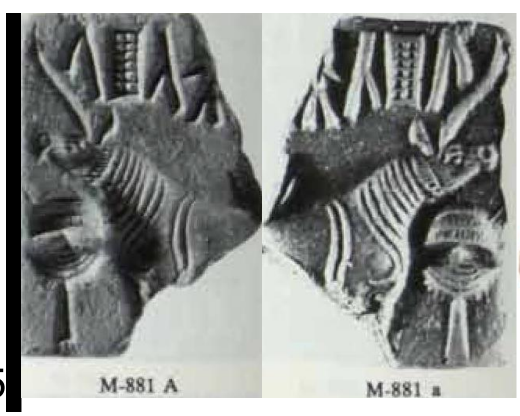
7 ⁄ 156 



शर्षन

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में शकटचक्रः से श,रज्जुः के चित्रलेख के मध्य सरण्डः एवं निर्दातृं से मिलकर शर्षन शब्द निर्मित करते हैं जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है सरसों। एक तौल की माप।

This seal from Mohan Jo Daro reads aswheel sign, followed by bird sign amidst rope sign ending with rake sign speaks sharshan in samskrit means mustard. Also used as measure.

8 ⁄ 375 



गवरीम

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में गिरिः, आयताकार व्यजः,इ की मात्रा के साथ रज्जुः, अन्त में मीनम् के चित्रलेख मिलकर गवरीम शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है गोरोचन या हल्दी ।

This seal from Mohan Jo Daro reads as hill sign, rectangular fan sign, rope sign with vowel i, ending with fish sign create word “ gavarim” which mean “turmeric or gorochan” in samskrita.

9/19 



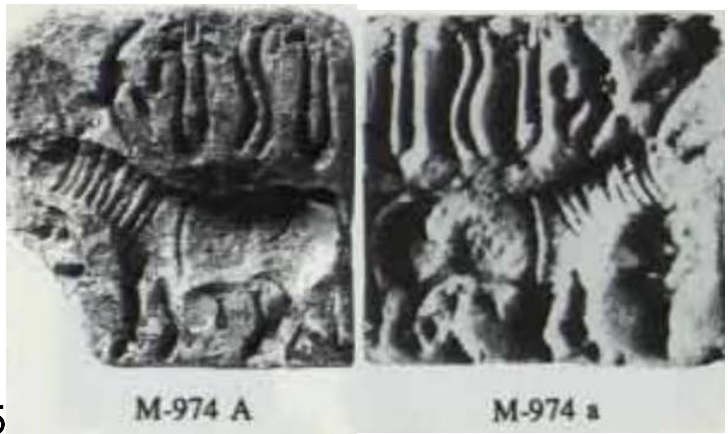
M-257 A M-257 a



चिहेर

मोहन जो दड़ो से प्राप्त यह त्रयाक्षरी मुद्रा इ की मात्रा के साथ चन्द्रकः के चित्रलेख से च ए की मात्रा के साथ हंडिकाः , अन्त में रज्जु के लिये दो समानान्तर खड़ी रेखाओं से र को मिलाकर चिहेर (चि+हेरम्) का संस्कृत में अर्थ है हल्दी का ढेर।

This tri syllabic seal reads as hieroglyph for chandrakah with vowel i, jar sign with vowel e, ending with rope sign create word chiher which means as pile of turmeric.

10/ 335 



चिहे**रः**

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा के साथ चन्द्रकः,ए की मात्रा के साथ हंडिकाः, रज्जुः अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर चिहेरः शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है हल्दी का ढेर।

This seal from Mohan Jo Daro reads as hieroglyph for chandrakah with vowel i, jar sign with vowel u , rope

sign ending with jar sign create word chiherah which mean “pile of turmeric” in samskrita.

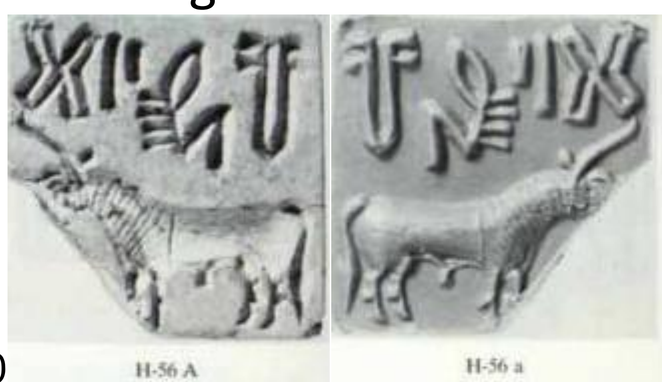
11 / 471 



रश्वन

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में रज्जुः, श्वानः अन्त में निर्दात्रं के चित्रलेख मिलकर रश्वन(रश्वन) शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है लहसुन ।

This seal from Mohan Jo Daro reads as rope sign, dog sign ending with rake sign create word rashwan which mean “garlic” in samskrita

12 / 600 



सरेभूः

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में स्वास्तिकः, ए की मात्रा के साथ रज्जुः , उ की मात्रा के साथ भस्त्रिः, अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर

सरेभूः (सरः, नमक+भूः, भूमि) शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है ज़मीनी नमक या सेंधा नमक।

This seal from Harappa reads as swastikah, rope sign with vowel e, bellow sign with vowel u, ending with jar sign create word sarebhuh which mean “ rock salt” in samskrita.

13 ⁄ 601 

सिरेवृण्सह

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा के साथ संवरणम्, ए की मात्रा के साथ रज्जुः , वृश्चिकः, ण का चित्रलेख, स्वास्तिकः अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर सिरेवृण्सः (सिरः, पीपलामूल की जड़+वृण, उपभोग+सह, साथ) शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है पिप्पलामूल की जड़ के साथ उपभोग करें।

This seal from Harappa reads as mask sign with vowel i, rope sign with vowel e, scorpion sign hieroglyph for na, swastikah , ending with jar sign create word sirevrinsah which mean “ use with long pepper root” in samskrita.

14 ╱ 593 

H-43 A H-43 a

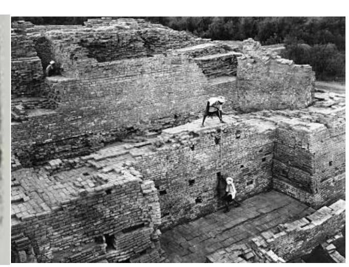
रस्य

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में रज्जुः , स्वास्तिकः अन्त में यज्ञीयः के चित्रलेख मिलकर रस्य (रस्य,स्वादिष्ट) शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है स्वादिष्ट।

This seal from Harappa reads as rope sign, swastikah ending with trident sign create word rasya which mean “ tasty” in samskrita.

15 ╱ 255 

M-967 A M-967 a





मरा सन्न

अन्न भंडार के निकट

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में मीनम् आ की मात्रा के साथ रज्जु:,सम्बाधम्,निर्दात्रं द्वय से मरा अन्न भंडार सन्न निकट शब्द निर्मित करते हैं जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है अन्न भण्डार के निकट।

This seal from Mohan Jo Daro reads as fish sign , rope sign with vowel aa , vulva sign then double rake sign create word mara sanna which means “in precinct of granary” in samskrita.

16 ⁄ 181 

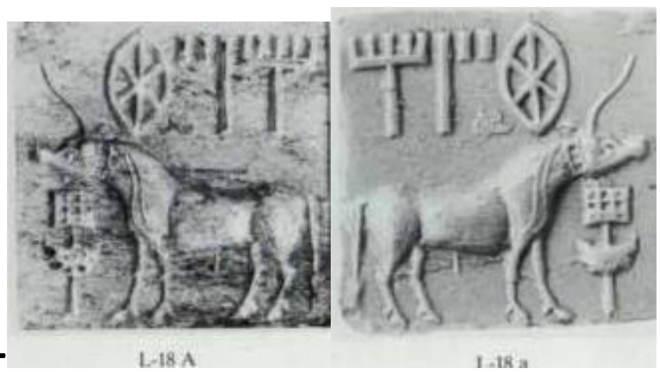
चूष्योमम्

चूसने योग्य

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ चन्द्रकः के चित्रलेख के बाद यज्ञीयः अन्तः में लिये शंखम् का चित्रलेख अन्त में ओम् के चित्रलेख के बाद मीनम् से चूष्योमम् शब्द निर्मित होता है। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है चूसने योग्य।

This seal from Harappa reads as hieroglyph for chandrakah with vowel u then conch sign with trident sign inside followed by hieroglyph for om ending with fish sign create word chushyomam which means “to be sucked” in samskrita

17/234



L-18 A L-18 a



शूरन

लोथल से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ शकटारिः से शू रज्जुः निर्दात्रं के चित्रलेख मिलकर शूरन शब्द निर्मित करते हैं जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है जमीकंद है।

This seal from Lothal reads as wheel sign with vowel u, rope sign,rake sign create word shuran which means "yam" in samskrita

18 / 296 
K-11 A

K-11 a


रस नगः

कालीबंगन से प्राप्त इस मुद्रा में रज्जुः,सम्बाधम्,निर्दात्रम् , गुवाकदरः अन्त में हंडिकाः से रस नगः शब्द निर्मित करते हैं जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ कषमीरः, रबर प्लान्ट से है।

This seal from Kalibangan reads as rope sign,vulva sign,rake sign,beetle nut cutter sign ending with jar sign create word rasa nagah which means "rubber plant " in samskrita.

19 / 369 
M-830 A

M-830 a



कृन

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में रज्जुः के चित्रलेख के मध्य कलेवरम्, निर्दात्रं मिलकर कृन शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है हल या लांगलम्।

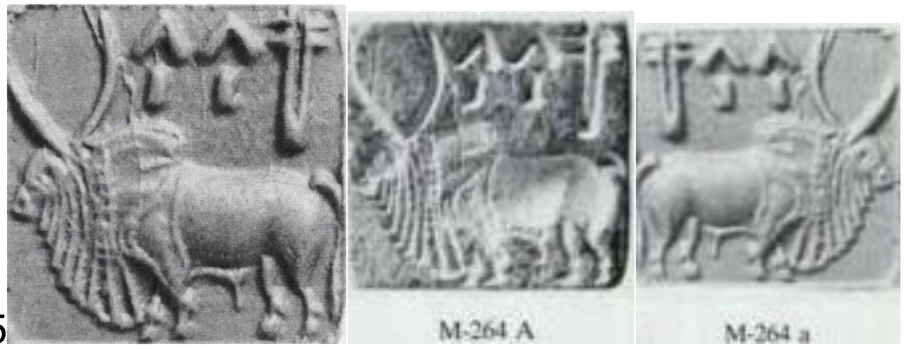
This seal from Mohan Jo Daro reads as humansign amidst rope sign, ending with rake sign create word “ krina” which mean “ plough” in samskrita.



20 / 445 उन्कर्ष

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उर्णनाभः, निर्दात्रं संग कलेवरम्, रज्जुः के चित्रलेख के मध्य सरण्डः के चित्रलेख मिलकर उन्कर्षः (उन्+कर्षः) शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है कृषि कार्य की स्वीकृति।

This seal from Mohan Jo Daro reads as crab sign , rake sign with human sign , bird sign amidst rope sign create word unkarsha which mean “permission for agriculture” in samskrita.

21 / 25 

M-264 A M-264 a

गृह

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रामें गिरि (पर्वत) के चित्रलेखके नीचे रज्जु के चित्रलेख दो खड़ी रेखायें अन्त में हंडिका के साथ मिलकर गृह शब्द का निर्माण करता है। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ होता है घर।

This seal from Mohan Jo Daro reads hill sign girih below supported with rope sign rajjuh ra ending in jar sign handikah jontly read as Griha in samskrit meaning thereby home.

22 / 151 

M-327 A M-327 a

सुगृह

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम् से सु र की दो रेखाओं के साथ गिरिः के चित्रलेख से गृ एवं हंडिकाः से ह मिलकर सुगृह शब्द निर्मित करते हैं जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है सुन्दर घर।

This seal from Mohan Jo Daro reads as sambadham with two vertical lines for u su followed by rope sign joined with hill sign for gri ending with jar sign for visargah speaks sugrih in samskrit means beautiful home.

23/26

वटुगृह

इस मुद्रा में एक खड़ा आयताकार व्यजः व टंकः(फरसे की धार)साथ में उ का स्वरलिपि टु गिरि रज्जु हंडिका के साथ मिलकर वटुगृह शब्द का निर्मित होता है।जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ होता है बालगृह या अनाथाश्रम । साथ ही इस मुद्रा के पृष्ठ भाग में दो मकर के चित्रों के मध्य सीता तथा हनुमान के चित्र भी उत्कीर्ण हैं ।जिससे इस व्याख्या को बल मिलता है।

This seal reads rectangular fan sign vyajah, axe sign tankah with two short vertical lines for vowel u followed by hill sign girih with rope sign rajjuh underneath ending in jar sign handikah pronounced jointly as vatugrih in samskrit meaning **orphanage** with picture of Sita and Hanuman between two

crocodiles on outer side of seal. Therefore full name will be Sita Hanuman Vatugrih.

24 / 342


M-726 A


M-726 a

शुशर्म ईमि पिसर

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ शकटचक्रः, शंखम्, रज्जुः, मीनम्, इ के चित्रलेख के मध्य इ की मात्रा के साथ मीनम्,इ की मात्रा के साथ पर्णः, सम्बाधम्, अन्त में रज्जुः के चित्रलेख मिलकर सुशर्म ईमि पिसर(शुशर्म,सुन्दर घर+ईमि,इस+पिस, मजबूत हो+रः,अग्नि) शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है यह घर अग्नि से मजबूत (अग्निरोधी) बने ।

This seal from Mohan Jo Daro reads as swastikah sign with vowel u,conch sign, rope sign,fishsign,fish sign with vowel i amidst hieroglyph for ii,leaf sign with vowel i ,vulva sign ending with rope sign create word shusharma imi pisar which mean “this house should be fireproof” in samskrita.

25 / 482 





सरषन

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में स्वास्तिकः से स,रज्जुः से र ,सम्बाधम् के चित्रलेख के मध्य निर्दातृं से मिलकर सर्षन शब्द निर्मित करते हैं जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है सरसों। एक तौल की माप।

This seal from Mohan Jo Daro reads as swastikah sign, followed by rope sign ending with rake sign amidst vulva sign creates sarshan in samskrit means mustard. Also used as measure.



M-97 A M-97 a



26 / 201

वृन्तः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में वृश्चिकः से वृ निर्दात्रं से न अन्त में हंडिकाः के साथ तुलाधरः के चित्रलेख मिलकर वृन्तः शब्द निर्मित करते हैं जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है गुन्ची अथवा रत्ती जा तौल का एक माप है।

This seal from Mohan Jo Daro reads as scorpion sign nirdatram sign ending with jar sign with tuladharah create word vrintah which means "gunchi or ratti" a measure of weight in samskrita.



M-997 A M-997 a

27 / 265



पिचुयव

दो तोला अनाज

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा संग पर्णः,उ की मात्रा संग चन्द्रकः,यज्ञीयः अन्त में व्यजः से पिचुयव(पिचु,दो तोला+यवः अनाज) शब्द निर्मित करते हैं जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है दो तोला अनाज।

This seal from Mohan Jo Daro reads as leaf sign with vowel i hieroglyph for chandrakah with vowel u , trident sign ending with fan sign create word pichuyav which means “22 gram grain” in samskrita.

28 / 183







सूर्पः

दो द्रोण की तौल

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम् के चित्रलेख के बाद रज्जुः पर्णः अन्त में हंडिका से सूर्पः शब्द निर्मित होता है। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है सूप अथवा दो द्रोण की तौल।

This seal from Harappa reads as vulva sign withvowel u , rope sign leaf sign ending with jar sign create word surpah which means “measure of two dronah ” in samskrita.

29 ⁄ 382



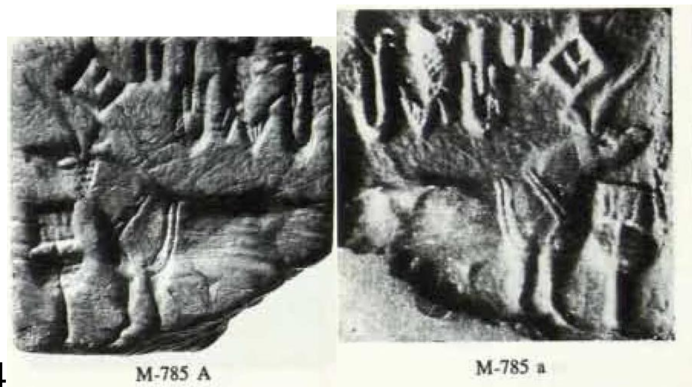
M-889 A M-889 a

शशूर्पः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में शकटारिः, उ की मात्रा के साथ शंखम्, रज्जुः, पर्णम्, अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर शशूर्पः शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है दो द्रोणः 128 सेर या 160 किलोग्राम के वजन के साथ ।

This seal from Mohan Jo Daro reads as wheel sign, conch sign with vowel u, rope sign , leaf sign , ending with jar sign create word “ shashurpah” which mean

"with measure of two dronah equivalent to 128 seers or 160 kilograms" in samskrita.



30 ⁄ 244



सुयवृः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम्, खल्लः,वृश्चिकः अन्त में हंडिकाः से सुयवृः(सुयव, अच्छे जौ+ ऋः,प्रदान करना) शब्द निर्मित करते हैं जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है अच्छे जौ सौपना।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u, trident sign , scorpion sign ending with jar

sign and human sign create word suyavriha which mean “good barley handing over ” in samskrita.

31／440 

सुयवृहक

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम् , यज्ञीयः , वृश्चिकः, अन्त में हंडिकाः के साथ कलेवरम् के चित्रलेख मिलकर सुयवृहक (सुयव+ ऋः+क) शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है अच्छे जौ राजा को सौपना।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u, trident sign , scorpion sign ending with jar sign and human sign create word suyavrihak which mean “good barley handing over to king” in samskrita.

32/270  

यवाधराय

दिनांक 6 जून 2020 को डा0 राम ब्रम्हम प्रोफेसर इतिहास एवं पुरातत्व विभाग योगी वामन विश्वविद्यालय कडप्पा आन्ध्र प्रदेश ने एक गॉव के खेत से खुदाई के समय प्राप्त पाषाण पट्टिका पर उत्कीर्ण लेख के उद्‌वाचन हेतु मुझे प्रेषित किया था। जिसमें सैन्धव लिपि में यज्ञीयः, आ की मात्रा के साथ व्यजः, धन्वः,आ की मात्रा के साथ रज्जुः अन्त में यज्ञीयः के चित्रलेख मिलकर यवाधराय शब्द निर्मित करते हैं जो जौ या अन्न की बुवाई के समय खेत की पूजा से सम्बन्धित है। इस पट्टिका पर बायी ओर सूर्य एवं दायी ओर चन्द्र का चित्र उत्कीर्ण है। जो अश्विन नवरात्र के नवम दिवस का द्योतक है । जिस दिन जामरा उत्सव के साथ जौ की बुवाई प्रारम्भ की जाती है।

Dr. Ramabrahmam Vellore, from the dept. of History and Archaeology, Yogi Vemana University, Kadappa,Andhra Pradesh,has recently, gone for explorations,this stone was found in the the village in the midst of the agricultural fields in Kadappa district of A.P. He requested to decode the stone carvings, .on Jun 6, 2020.

This picture shows Sun on left Moon on right top

Bottom both sides two seedlings.In the mid written in Indus script is yavadharaya in samskrit it means farm having seedling of barley.

There are two trident signs on both sides depicting yajniyah in the middle joint letter depicts fan sign hieroglyph of vyajanah with sign of vowel aa below it is bow sign hieroglyph of dhanvah for dha below is rope sign hieroglyph for rajjuh with vowel sign of aa they all in combination form the word yavadharay meaning thereby farm bearing germinating barley seedling.

yajniyah trident sign

 fan sign vyajanah with two arms as sign of vowel aa

 bow sign hieroglyph for dhanvah

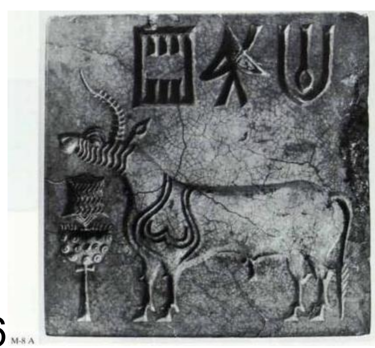
 rope sign hieroglyph for rajjuh with two arms as sign of vowel aa

 ending with trident sign hieroglyph for yajniyah completing word yavadharaya

 Sun  Moon  Germinating Seedling

This whole picture is for worshipping gods before sowing ritual. Similar festival is still celebrated during ashwin Navratri by the name of Jamara festival.Below is the cave painting of the same ritual.



33 / 416  

बपि ख

खेत बोना

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में बन्धनागार्, इ की मात्रा के साथ पर्णः, खल्लः के चित्रलेख मिलकर बपिख(बपि,वपः,बोना+ख, खेत) शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है खेत में बीज बोना ।

This seal from Mohan Jo Daro reads as jail sign, leaf sign with vowel i, mortar and pestle sign, create

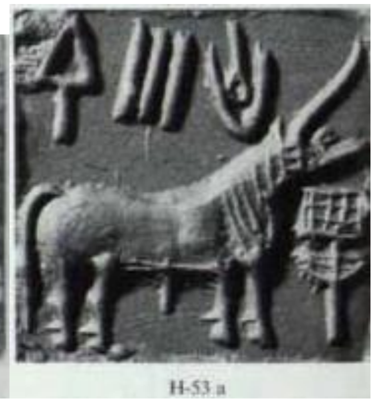
word bapikha which mean "sowing seeds" in samskrita

34 ／588 

H-29 A H-29 a

बपिव

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में बन्धनागारः, इ की मात्रा के साथ पर्णम्, व्यजः के चित्रलेख मिलकर बपिव (वप, बीज बोना+इव,समान) शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है बीज बोने के समान। This seal from Harappa reads as prison sign, leaf sign with vowel i, ending with fan sign create word bapiva which mean " simulating sowing seeds" in samskrita.

35 / 224 
H-53 A

H-53 a

खत्रए

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में खल्लः के बाद तीन रेखाओं से त्र एषणः से ए मिलकर खत्रए शब्द निर्मित करते हैं जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है खेत का रक्षा हेतु है।

This seal from Harappa reads as mortar and pestle sign followed by three vertical lines ,arrow sign create word khatrae which means “protection of farm” in samskrita.

36 / 614 
H-87 A

H-87 a
त्रिखवः

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में खल्लः के मध्य तीन खड़ी रेखायें, व्यजः अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर त्रिखवः (त्रि, तीन+ख, द्वार+ वः, आवास) शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है तीन द्वारीय आवास।

This seal from Harappa reads as three vertical lines amidst mortar sign, fan sign, ending with jar sign

create word trikhavah which mean " house with three doors" in samskrita.